25.11.20 पत्रावली पेश हुई। पक्षकारान द्वारा उपस्थित। अपील दृष्टि रखते जारी। अभिभाषक प्रार्थना पत्र बाबत अपील को विड्रा किये जाने हेतु आगे नहीं चलाने पेश हुआ। शामिल मिसल हो। प्रार्थना पत्र के मूल दावे से राजीनामा होने से अपील सीमाहीन होना जाहिर कर विड्रा करने की इल्तदुआ की है अतः पक्षकारान द्वारा अपील को आगे नहीं चलाने, विड्रा किये की इल्तदुआ किये जाने से प्रा० पत्र अपील को आगे नहीं चलाने, विड्रा किये जाने स्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो। निर्णय सुनाया गया।

अति. कलक्टर (द्वितीय)
जयपुर